गुस्ताखी माफ

कच्चा चिट्ठा सभी का, बारिश देती खोल।
जब गिरते हैं पोल तो, खुल जाती है पोल।
खुल जाती है पोल, तनिक ना लगती देरी।
कहां-कहां पर हुई, कौन-सी हेरा-फेरी।
कह साहिल कविराय, कौन है कितना सच्चा।
खुल जाता है मियां, सभी का चिट्ठा कच्चा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 179 | MONDAY 06-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

कूड़ा नहीं, करोड़ों की पूंजी है प्लास्टिक!

'आम के आम, गुठलियों के दाम' मॉडल से महिलाओं को रोजगार, शहरों को सफाई और टैक्स के करोड़ों रुपये बचाने का मौका

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। देश के लगभग हर छोटे-बड़े शहर में प्लास्टिक और खाली पानी, कोल्ड ड्रिंक, दूध, तेल तथा अन्य पैकेजिंग की बोतलों का बढ़ता कचरा अब केवल सफाई का मुद्दा नहीं रहा। यह धीरे-धीरे आर्थिक, पर्यावरणीय और प्रशासनिक चुनौती बन चुका है। नगर निगम और नगर परिषदें हर वर्ष कचरा उठाने, ढोने और डंपिंग पर करोड़ों रुपये खर्च करती हैं। इसके बावजूद शहरों की सड़कें, नालियां, पार्क, खाली प्लॉट और जल स्त्रोत प्लास्टिक कचरे से पटे दिखाई देते हैं।

असंख्य सफाई कर्मचारियों का बचेगा रोजगार

कचरे की मैनेजमेंट का सरकार को भी चार गुना फायदा मिलेगा जहां इससे बड़ा वोट बैंक सफाई कर्मचारियों पर लटक रही रोजगार की तलवार का समाधान होगा साथ ही वेस्ट मैनेजमेंट पर खर्च होने वाला करोड़ों का फंड सेविंग में बदलेगा और प्लास्टिक रिसाइकल से ग्लोबल वार्मिंग तक कई समस्याओं का निवारण होगा अब पता नहीं जो बात सामान्य शहरियों को समझ आ रही है वह बात बड़े बड़े राजनीतिज्ञों एवं आईएस पीपीएस जैसे अधिकारीयों को क्यों नहीं सूझ रही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिस प्लास्टिक पर आज सरकारी पैसा खर्च हो रहा है, वही प्लास्टिक कल सरकार और जनता दोनों के लिए कमाई का जरिया बन सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकारें प्लास्टिक को कचरा नहीं बल्कि 'रीसाइक्लिंग योग्य संसाधन' मानकर नई नीति तैयार करें तो देश के शहरी कचरा प्रबंधन में बड़ा बदलाव आ सकता है। खाली बोतलों और प्लास्टिक पैकेजिंग को घर-घर से अलग एकत्र करने, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों से उसकी छंटाई करवाने और सीधे रिसाइक्लिंग उद्योग तक पहुंचाने का मॉडल एक साथ कई समस्याओं का समाधान बन सकता है। इस व्यवस्था से शहरों में सफाई बेहतर हो सकती है, लैंडफिल पर दबाव कम हो सकता है, प्लास्टिक प्रदूषण घट सकता है और हजारों महिलाओं को घर बैठे रोजगार का अवसर मिल सकता है। साथ ही नगर निकायों के परिवहन और डंपिंग खर्च में भी उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है। आज अधिकांश शहरों में प्लास्टिक मिश्रित कचरे के कारण पूरा कचरा ट्रकों के माध्यम से डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचता है। इसमें डीजल, श्रम, मशीनरी और ठेकेदारी पर भारी खर्च होता है। यदि स्त्रोत पर ही प्लास्टिक अलग हो जाए तो कचरे की मात्रा घटेगी और रिसाइक्लिंग से आर्थिक मूल्य भी प्राप्त होगा। यह केवल सफाई अभियान नहीं बल्कि 'वेस्ट टू वेल्थ' की ऐसी सोच हो सकती है, जिसमें कचरा बोझ नहीं बल्कि आय का साधन बन जाए। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी ऐसे मॉडल में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह दावा कि इससे भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो जाएगा, बिना ठोस आंकड़ों के नहीं किया जा सकता। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि कचरे का पृथक्करण, संग्रहण और पुनर्चक्रण वैज्ञानिक तथा पारदर्शी तरीके से हो, तो सार्वजनिक धन के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अब सवाल सरकारों और प्रशासन के सामने है—क्या वे पारंपरिक कचरा प्रबंधन पर निर्भर रहेंगे या ऐसी व्यवस्था विकसित करेंगे जिसमें शहर भी साफ हों, पर्यावरण भी बचे और लोगों की आय भी बढ़े।

अकेले लुधियाना में कूड़े के लिया दिया 1000 करोड़ का टेंडर!

अकेले लुधियाना में ही पूर्व निगम कमिश्नर आदित्य डेच्वल द्वारा कूड़े की सफाई के नाम एक हजार करोड़ रु का टेंडर जारी किया था। जिसमें कई आला अधिकारीयों ने 5 से लेकर 20 करोड़ की रिश्वत लेने जैसी चर्चाएं भी चर्चित रही हैरानी की बात तो तब हुई जब विपक्षियों ने भी मुद्दा नहीं उठाया। जबकि इससे पहले अ2 कम्पनी के कूड़े के खेल एवं असंख्य सफाई कर्मचारियों के रोजगार को खतरे में डालने जैसे खेल किसी से छिपे नहीं है। अगर ऐसी योजना बनाई जाती है तो आम के आम गुठलियों के दाम जैसा होगा।

विदेशों से लेकर भारत तक बदल रही सोच

दुनिया के कई देशों में प्लास्टिक कचरे को संसाधन मानकर डिपॉजिट-रिटर्न सिस्टम, रिवर्स वेंडिंग मशीन, बोतल बैंक और रीसाइक्लिंग प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं। भारत में भी कई राज्यों में महिला स्वयं सहायता समूह और सामाजिक संस्थाएं प्लास्टिक संग्रहण और पुनर्चक्रण के सफल मॉडल चला रही हैं। अब आवश्यकता इन्हें स्थानीय निकायों की मुख्य व्यवस्था से जोड़ने की है।

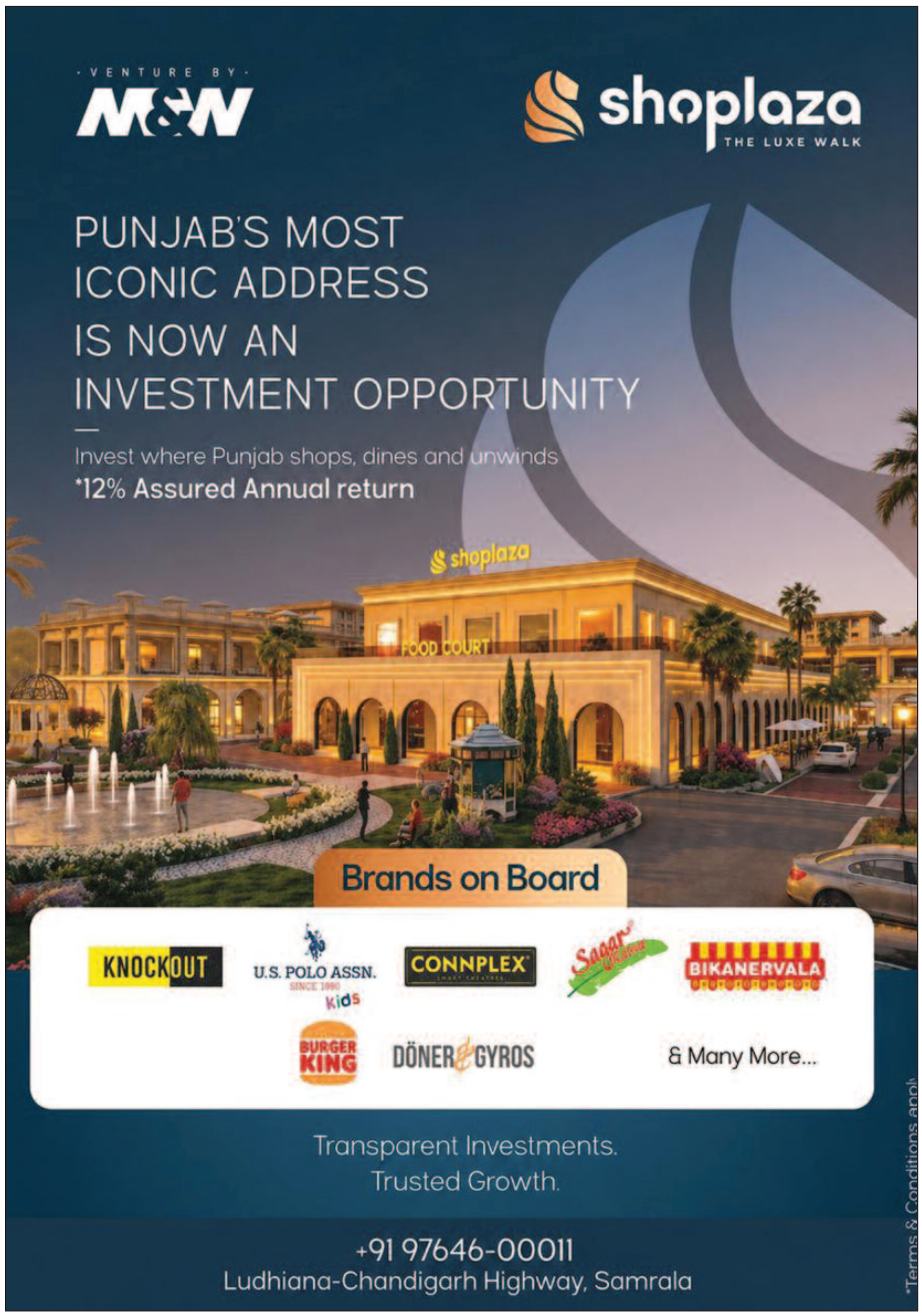

LWMA की 11वीं प्रदर्शनी में विंटर वियर कारोबार को मिली रफ्तार, देशभर से पहुंचे खरीदार

नए यार्न और डिजाइन बने आकर्षण, कारोबार में दिखी गर्माहट

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। आगामी विंटर सीजन के लिए होजरी उद्योग में कारोबार को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित लुधियाना वूलन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (LWMA) की 11वीं प्रदर्शनी रविवार को होटल हयात में शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन दिल्ली गांधी नगर के प्रमुख व्यापारी गगनदीप सिंह तथा कानपुर रिटेल मार्केट के प्रधान विजय गुप्ता (गोरे भइया) ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्था के प्रधान दर्शन डाबर, चेयरमैन संजू धीर, महासचिव संदीप धीर, गुरदित सिंह सूरज (ओस्टर), राजीव जैन (जीतो), संजीव जैन (चमन निट), राजेश जैन (कीमती गारमेंट्स), अशोक सामां (फर्स्ट लाइन), बीएस चीमा, योगेश शर्मा सहित उद्योग जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। प्रधान दर्शन डाबर ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में LWMA प्रदर्शनी ने देशभर के निर्माताओं और खरीदारों के बीच एक विश्वसनीय व्यापारिक मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई है। चेयरमैन संजू धीर ने बताया कि यह आयोजन लुधियाना के होजरी उद्योग को नए बाजारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महासचिव संदीप धीर ने बताया कि इस वर्ष 100 से अधिक विंटर वियर निर्माताओं ने अपनी नवीनतम कलेक्शन प्रदर्शित की है। नए यार्न, आधुनिक डिजाइन, आकर्षक कलर कॉम्बिनेशन और बेहतर फैब्रिक क्वालिटी इस बार की मुख्य विशेषताएं हैं। पहले ही दिन तमिलनाडु, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, केरल, गोवा, जम्मू और लद्दाख सहित कई राज्यों से बड़ी संख्या में रिटेलर्स और थोक व्यापारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया और आगामी सीजन के लिए बुकिंग प्रक्रिया शुरू की। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि यह प्रदर्शनी विंटर कारोबार को नई मजबूती देगी और आने वाले दिनों में बड़े व्यापारिक सौदे होने की उम्मीद है। आप नेता विजय दानव भी मुख्य रूप से कारोबारियों को प्रोत्साहित करने पहुंचे।

पेज 06 भगवान जगन्नाथ पतितों का उद्धार करने हेतु विशाल...

रील के शौक ने छीनी जिंदगी, लुधियाना में दर्दनाक हादसा

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। सोशल मीडिया पर रील बनाने की लापरवाही ने लुधियाना में एक महिला की जान ले ली। दो दिन पहले मॉडल टाउन इलाके में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे मौजूद दो महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि एक महिला करीब 10 मीटर तक कार के साथ घिसटती चली गई और उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और टक्कर लगते ही दोनों महिलाएं सड़क पर गिर गईं। घायल महिला को लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के समय कार चालक कथित तौर पर रील बना रहा था। इसी दौरान उसका वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और कार सड़क किनारे चल रही महिलाओं पर चढ़ गई।

पुलिस वायरल वीडियो और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरे मामले की जांच कर रही है।

रीसा डिजाइन स्टूडियो का लुधियाना में भव्य शुभारंभ, 'रीसा होम' भी लॉन्च

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। शहर में फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र को नई पहचान देते हुए रीसा डिजाइन स्टूडियो बाय रीमा के फ्लैगशिप स्टोर का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में फैशन, उद्योग, व्यापार और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

समारोह में पद्मश्री रजनी बेक्टर, क्रेमिका ग्रुप की संस्थापक, मृदुला जैन, संस्थापक एवं वाइस चेयरमैन शिंगोरा टेक्सटाइल्स लिमिटेड तथा भाजपा पंजाब महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष राशि अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं। रीमा और सागरिका की मां-बेटी जोड़ी द्वारा स्थापित रीसा डिजाइन स्टूडियो में ब्राइडल कूचर, ट्रूसो, फेस्टिव वियर, ऑकेजन वियर और मॉडर्न प्रेट कलेक्शन की खास रेंज पेश की गई। संस्थापकों ने कहा कि यह स्टूडियो भारतीय शिल्पकला, हैंडक्राफ्टेड डिटेलिंग और आधुनिक फैशन का सुंदर मेल है। इस अवसर पर ब्रांड के नए होम डेकोर व लाइफस्टाइल वेंचर 'रीसा होम' की भी लॉन्चिंग की गई, जिसका नेतृत्व समरजीत सिंह और बी.एस. चहल करेंगे।

रीसा होम के पहले कलेक्शन का अनावरण मृदुला जैन ने किया। मुख्य अतिथियों ने कलेक्शन की सराहना करते हुए महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया और रीमा-सागरिका के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने स्टूडियो व रीसा होम कलेक्शन का अवलोकन किया।

एमजीएम प्रिंसिपल 'नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड' से सम्मानित

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। एमजीएम पब्लिक स्कूल के लिए गर्व और खुशी का पल, प्रिंसिपल श्रीमती रंजना कौशल को 'एक उपदेश मीडिया' के 'एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव' में 'नेशनल प्रिंसिपल अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि उनके समर्पण, काबिलियत और पढ़ाने के तरीकों को बेहतर बनाने तथा शिक्षा जगत की बदलती जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने की उनकी लगातार कोशिशों का सबूत है। उन्होंने साबित कर दिया कि सही दिशा और सकारात्मक सोच के साथ छात्रों में शिक्षा को आसानी से उतारा जा सकता है। डायरेक्टर श्री गज्जन सिंह थिंड ने उन्हें सम्मानित किया और उनकी इस शानदार उपलब्धि पर एमजीएम का पूरा स्टाफ गर्व से भरा हुआ है।

नोबल फाउंडेशन के मेडिकल कैंप में 428 लोगों ने करवाई जांच

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। नोबल फाउंडेशन द्वारा ब्रांच भगत सिंह कॉलोनी, मोतीनगर में दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। कैंप में 428 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई और मुफ्त दवाइयों का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गुलजार वानी, आईआरएस, एडिशनल कमिश्नर इनकम टैक्स लुधियाना, उनकी पत्नी नगमा गुलजार और कार्यक्रम अध्यक्ष राजीव कौशल, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन, ने दीप प्रज्वलित कर किया।

पंचकूला में रहस्यमयी डबल मर्डर: बेटे के नामकरण समारोह से निकले युवक की हत्या, सुबह उसी जगह मिला संदिग्ध दोस्त का शव

पहले संजीत की तेजधार हथियार से हत्या, फिर जिस दोस्त पर था शक उसकी भी मिली लाश; पुलिस सीसीटीवी और रंजिश के एंगल से जांच में जुटी

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/05 जुलाई। पंचकूला के सेक्टर-19 में शुक्रवार देर रात हुए डबल मर्डर ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। पहले 20 वर्षीय संजीत की तेजधार हथियार से हत्या कर दी गई और कुछ घंटों बाद उसी स्थान के पास उसके दोस्त अर्जुन का शव भी बरामद हुआ। शुरूआती जांच में संजीत की हत्या का शक अर्जुन पर जताया जा रहा था, लेकिन सुबह उसकी भी लाश मिलने से मामला और उलझ गया है।

जानकारी के अनुसार, संजीत के घर छह दिन पहले बेटे का जन्म हुआ था। इसी खुशी में शनिवार रात सेक्टर-19 स्थित घर पर नामकरण समारोह और पार्टी आयोजित की गई थी। समारोह के दौरान संजीत किसी काम से अभयपुर के लिए निकला था। लौटते समय उसने अपने कजिन विपिन को फोन कर बताया कि कुछ युवक उसका पीछा कर रहे हैं और उसे अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है।

सूचना मिलते ही विपिन ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। सभी लोग संजीत की तलाश में निकल पड़े। कुछ देर बाद सेक्टर-19 इंडस्ट्रियल एरिया के अंडरपास के पास संजीत गंभीर रूप से घायल हालत में मिला।

परिजन उसे तुरंत सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरूआती स्तर पर संजीत की हत्या में उसके दोस्त अर्जुन पर शक जताया जा रहा था। लेकिन रविवार तड़के करीब चार बजे अर्जुन का शव भी उसी इलाके से बरामद होने के बाद मामला डबल मर्डर में बदल गया। इससे पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है।

घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-19 पुलिस चौकी, सेक्टर-20 थाना और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि रंजिश समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और दोनों हत्याओं के बीच संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है।

चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने किया हिमाचल सेल का गठन

हिमाचल मूल के लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का अभियान होगा तेज : एच.एस. लक्की

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा चंडीगढ़ में रह रहे हिमाचल प्रदेश मूल के लोगों, विशेषकर युवाओं, को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल सेल का गठन किया है। इस अवसर पर सेक्टर-35 स्थित राजीव गांधी कांग्रेस भवन में हिमाचल प्रदेश से जुड़े लोगों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने की।

बैठक के दौरान अंकराज ठाकुर को सर्वसम्मति से चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के हिमाचल सेल का कन्वीनर नियुक्त किया गया। एच.एस. लक्की ने उन्हें संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, हिमाचल मूल के लोगों को कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा से जोड़ने तथा उनकी समस्याओं और हितों के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने निर्देश दिया कि हिमाचल सेल शीघ्र ही अपने संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले हिमाचल मूल के नागरिकों और युवाओं तक पहुंचे। बैठक को संबोधित करते हुए एच.एस. लक्की ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और शांतिप्रिय समाज के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि देवभूमि के नाम से प्रसिद्ध हिमाचल प्रदेश के लोग अपनी सादगी, ईमानदारी और सामाजिक सौहार्द के लिए जाने जाते हैं तथा हमेशा सत्य और न्याय के पक्ष में खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा हिमाचल प्रदेश के विकास और वहां के लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

ऐसे धार्मिक अनुष्ठान सनातन संस्कृति को मजबूत बनाने में विशेष भूमिका निभाते हैं : एडवोकेट बिक्रम सिंह सिद्धू'

मनोज माटा

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। चंद्र नगर श्री जगन्नाथ पुरम स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ जी की पारंपरिक रथयात्रा निकाली जा रही है। रथ यात्रा को लेकर सभी सामाजिक धार्मिक व राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र बांटे जा रहे हैं। इस कड़ी के उपलक्ष्य में भाजपा नेता एडवोकेट बिक्रम सिंह सिद्धू को निमंत्रण पत्र दिया गया। निमंत्रण पत्र लेते हुए एडवोकेट विक्रम

सिंह सिद्धू ने कहा कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठान सनातन संस्कृति को मजबूत बनाने में विशेष भूमिका निभाते है और सनातन संस्कृति के प्रति लोगो को जागरूक करते हैं। इसलिए हम सबको पुरी परम्पराओं के अनुसार निकलने वाली इस रथयात्रा में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। निमंत्रण पत्र दौरान विक्रम भुइयां ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान जगन्नाथ जी की पारम्परिक रथयात्रा 16 जुलाई को दोपहर 1बजे मंदिर परिसर से धूमधाम से निकाली जाएगी।

यह रथयात्रा जगन्नाथ मंदिर से आरंभ होकर दीप नगर,झण्डु चौंक, वृंदावन रोड,कैलाश सिनेमा, पुरानी कचहरी चौंक, श्री दण्डी स्वामी चौंक, किचलू नगर चौंक,भुरीवाला गुरुद्वारा आनंद नगर से होती हुई श्री गुण्डीचा मंदिर मे महाआरती के साथ संपन्न होगी।

अवतार सिंह तारी मर्डर केस: राजनीतिक माहौल के बीच ठंडे पड़े मामले में नई हलचल

नामधारी पंथ के पदाधिकारी अवतार सिंह तारी की हत्या के लगभग 15 साल बाद उइकका एक संदिग्ध का स्केच जारी करने का फैसला एक पुराने सवाल को फिर से उठाता है: अब क्यों? इस समय पर ऐसा करने से अटकलें लगना स्वाभाविक है, खासकर इसलिए क्योंकि पंजाब में एक और विधानसभा चुनाव होने वाला है और नामधारी पंथ पंजाब, हरियाणा और विदेशों में अनुयायियों के साथ एक प्रभावशाली सामाजिक-धार्मिक शक्ति बना हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक, पंजाब में कई लाख नामधारी अनुयायी रहते हैं।

संदीप शर्मा, सम्पादक

साफ तौर पर कहें तो, किसी ठंडे पड़े मामले (cold case) को फिर से खोलने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, अनसुलझी हत्याओं को कभी भी भुलाया नहीं जाना चाहिए। न्याय की कोई समय-सीमा नहीं होती। फोरेंसिक साइंस में तरक्की, नई खुफिया जानकारी या कोई नया गवाह उन जांचों में नई जान डाल सकता है जिन्हें कभी बंद मान लिया गया था। पीड़ितों के परिवार जवाब पाने के हकदार हैं, चाहे कितना भी समय क्यों न बीत गया हो। लेकिन जब जांच एजेंसियां सालों की चुप्पी के बाद अचानक सक्रिय हो जाती हैं, खासकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय पर, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। उइकने 2017 में तारी मर्डर केस की जांच अपने हाथ में ली थी। उसके बाद लगभग एक दशक तक कोई खास हलचल नहीं दिखी। अचानक, एक संदिग्ध हमलावर का स्केच जारी किया गया और जानकारी देने वाले के लिए 2 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई। अगर यह स्केच उन सबूतों पर आधारित है जो सालों पहले मौजूद थे, तो इसे पहले सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? अगर यह नए सबूतों पर आधारित है, तो एजेंसी ने यह क्यों नहीं बताया कि क्या बदला है?

तारी मर्डर केस को लंबे समय से सतगुरु जगजीत सिंह की मृत्यु के बाद नामधारी पंथ के भीतर उत्तराधिकार के कड़वे विवाद के नजरिए से देखा जाता रहा है। पुलिस ने इस हत्या को उस आंतरिक संघर्ष से जोड़ा था, और बाद की घटनाओं – जिसमें 2016 में माता चंद कौर की हत्या और प्रतिद्वंद्वी दावेदार ठाकुर दिलीप सिंह से जुड़ी कानूनी कार्यवाही शामिल है – ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि यह एक सामान्य आपराधिक मामले से कहीं ज्यादा गंभीर मामला था। इस पृष्ठभूमि में, जांच में किसी भी नई तेजी के राजनीतिक मायने निकाले जाते हैं। कुछ हलकों में इस ताजा कदम को चुनावों से पहले भैनी साहिब प्रतिष्ठान तक पहुँचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

ठंडे पड़े मामलों की प्रकृति ही ऐसी होती है कि उन्हें सुलझाना मुश्किल होता है। गवाह गायब हो जाते हैं, यादें धुंधली पड़ जाती हैं, सबूत खराब हो जाते हैं और संदिग्ध अक्सर अपनी पहचान बदल लेते हैं। फिर भी इतिहास गवाह है कि कई दशकों पुराने अपराधों को आखिरकार किस्मत के बजाय लगातार कोशिशों से सुलझाया गया है। इसलिए, जांच की नई कोशिशों का स्वागत करने के हर कारण मौजूद हैं। हालांकि, पुरानी फाइलों को फिर से खोलने का काम सिर्फ.राजनीतिक रूप से सुविधाजनक मौकों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। अगर देर से मिलने वाले न्याय को असल न्याय में बदलना है, तो जांच का आधार सबूत होने चाहिए—न कि चुनावी कैलेंडर, बदलते राजनीतिक समीकरण या असरदार वोट-बैंक बनाने की चाहत।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 इंडस अस्पताल फिर विवादों में: बुजुर्ग महिला की मौत...

रामदरबार में मौत का मलबा: पांच घंटे तक जिंदगी से जंग लड़ते रहे दो मजदूर, एनडीआरएफ ने निकाला तो थम चुकी थीं सांसें

निमार्णाधीन बहुमंजिला इमारत भरभराकर गिरी, सात मजदूर दबे; पांच को जिंदा बचाया गया, दो की मौत

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ के रामदरबार फेज-2 में शनिवार शाम एक निमार्णाधीन बहुमंजिला इमारत के अचानक ढह जाने से बड़ा हादसा हो गया। कुछ ही सेकेंड में पूरी इमारत मलबे में तब्दील हो गई और वहां काम कर रहे सात मजदूर उसके नीचे दब गए। राहत एवं बचाव दल ने पांच मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन मलबे में फंसे दो मजदूरों को करीब पांच घंटे बाद निकाला गया। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

यह हादसा रामदरबार फेज-2 के प्लॉट नंबर 28/9 पर हुआ, जहां निर्माण कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 4:15 बजे अचानक तेज धमाके जैसी आवाज हुई और पूरी इमारत ताश के पत्तों की तरह भरभराकर गिर गई। मजदूरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते पूरा इलाका धूल के गुबार से भर गया और आसपास अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। बाद में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने अत्याधुनिक उपकरणों के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मलबे से सबसे पहले कुलदीप, कुलबीर, उमेश, राहुल और अजीत को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

मलबे में फंसे दो अन्य मजदूरों तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। भारी कंक्रीट और लोहे के ढांचे के बीच लगातार पांच घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे ने रेस्क्यू ऑपरेशन की समयबद्धता और आपदा प्रबंधन व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

एनडीआरएफ के पहुंचने में हुई देरी

जानकारी के अनुसार हादसे की सूचना एनडीआरएफ को देर से दी गई। इसके बाद टीम जब घटनास्थल के लिए रवाना हुई तो हेलोमाजरा क्षेत्र में ट्रैफिक जाम में फंस गई। बताया जा रहा है कि हादसा शाम करीब 4 :15 बजे हुआ, जबकि एनडीआरएफ की टीम लगभग 7 :15 बजे मौके पर पहुंच सकी। इसके बाद युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया गया।

बारिश के बीच हुआ हादसा, जांच के घेरे में निर्माण कार्य

शनिवार दोपहर से शहर में लगातार बारिश हो रही थी। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि निमार्णाधीन भवन की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की भी जांच की जाएगी। प्रशासन ने हादसे के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं, और भवन निर्माण से जुड़े जिम्मेदार लोगों की क्या भूमिका रही। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पहाड़ी क्षेत्रों में विज्ञापन होर्डिंग पर लगे प्रतिबंध तथा हाईवे से अतिक्रमण हटाया जाए: महंत मनोज शर्मा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। हिंद संग्राम परिषद (रजि.) के सलाहकार एवं विश्व हिंदू परिषद, चंडीगढ़, पंजाब प्रांत के पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी महंत मनोज शर्मा ने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र भेजकर विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में विज्ञापन होर्डिंग लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा राष्ट्रीय एवं पहाड़ी राज्य राजमार्गों के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। महंत मनोज शर्मा ने अपने पत्र में कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों की सड़कें संकरी, घुमावदार और ढलानयुक्त होती हैं। ऐसे स्थानों पर लगाए गए बड़े विज्ञापन होर्डिंग वाहन चालकों का ध्यान भटका सकते हैं और उनकी दृश्यता को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि तेज मोड़, ब्लाइंड कर्व और ढलान वाले स्थानों के समीप लगाए गए अवैध होर्डिंग सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम कई गुना बढ़ा देते हैं। इसलिए ऐसे क्षेत्रों में बिना अनुमति विज्ञापन बोर्ड लगाना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने मांग की कि पहाड़ी क्षेत्रों में विज्ञापन होर्डिंग लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर अवैध रूप से लगाए गए सभी होर्डिंग तत्काल हटाए जाएं। इसके साथ ही हाईवे एवं पहाड़ी इलाकों में फुटपाथों और सड़क किनारों पर किए गए अवैध कब्जों को विशेष अभियान चलाकर हटाने की भी मांग की गई है। महंत मनोज शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय पर सख्त दिशा-निर्देश जारी करने तथा भविष्य में अवैध होर्डिंग लगाने और अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

चाकू की नोक पर सब्जी विक्रेता से लूट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, लूटा गया मोबाइल

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-26 अनाज मंडी के पास सब्जी विक्रेता से चाकू की नोक पर लूट करने के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, दो कमानीदार चाकू तथा चार अन्य संदिग्ध चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार, महिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवरदीप कौर, आईपीएस के निर्देश तथा एसडीपीओ ईस्ट पी. अभिनंदन की निगरानी में सेक्टर-26 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राम रतन शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए डेराबस्सी निवासी जोधा (21) और बलजीत उर्फ बिल्लू (24) को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक 4 जुलाई 2026 की सुबह करीब 5:15 बजे सेक्टर-26 स्थित अनाज मंडी के पास पेट्रोल पंप के नजदीक मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने सब्जी विक्रेता बल किशन निवासी बीडीसी फेज-3, सेक्टर-26 के गले पर चाकू रखकर उसका मोबाइल फोन और 8,000 रुपये लूट लिए थे।

Happy Birthday

Vamika

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या पति-पत्नी के बीच लिखित समझौता (Settlement Agreement) कानूनी रूप से मान्य होता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

वैवाहिक विवादों में कई बार पति-पत्नी आपसी सहमति से विवाद सुलझाना चाहते हैं। ऐसे में वे एक लिखित समझौता (Settlement Agreement) तैयार करते हैं। प्रश्न यह है कि क्या ऐसा समझौता कानूनी रूप से मान्य होता है? यदि समझौता दोनों पक्षों ने अपनी स्वतंत्र इच्छा (free consent) से किया है और उसमें कोई धोखाधड़ी, दबाव या अनुचित प्रभाव नहीं है, तो उसे कानूनी महत्व प्राप्त हो सकता है।

Settlement Agreement में Maintenance, Alimony, Child Custody, Visitation Rights, Stridhan, संपत्ति के विवाद और अन्य शर्तों का उल्लेख किया जा सकता है। यदि यह समझौता अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है और अदालत उसे स्वीकार कर अपने आदेश का हिस्सा बना देती है, तो उसका कानूनी महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

हालांकि, यदि समझौते की कोई शर्त कानून के विरुद्ध है या बच्चे के हित के विपरीत है, तो अदालत उसे स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है। कई लोग केवल साधारण कागज पर हस्ताक्षर करके यह मान लेते हैं कि अब भविष्य में कोई विवाद नहीं होगा। लेकिन हर समझौते की वैधता उसकी शर्तों, परिस्थितियों और कानूनी स्वीकार्यता पर निर्भर करती है। इसी कारण, किसी भी Settlement Agreement पर हस्ताक्षर करने से पहले उसकी सभी शर्तों को अच्छी तरह समझ लेना आवश्यक है।

निष्कर्ष: पति-पत्नी के बीच किया गया Settlement Agreement कानूनी रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन उसकी वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि वह कानून के अनुरूप, स्वेच्छा से और उचित शर्तों के साथ किया गया हो।

भगवान जगन्नाथ पतितों का उद्धार करने हेतु विशाल रथ पर होते हैं सवार : संदीप गुप्ता वैबसन

रथयात्रा में देखने को मिलेगा हजारों की संख्या में वैष्णव भक्तों का महाकुंभ : राजेश ढांडा

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। इस्कॉन एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में 16 जुलाई को श्री दुर्गा माता मंदिर, जगराओं पुल से सायं 4 बजे निकलने वाली अंतर्राष्ट्रीय एवं विशाल भगवान जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के भव्य रथ के मार्ग की सफाई सोने-चांदी के झाड़ से की जाएगी तथा पूरे मार्ग पर गंगाजल एवं विभिन्न प्रकार के सुगंधित इत्र मिश्रित जल का छिडकाव किया जाएगा। वहीं, सौभाग्यशाली परिवारों को भगवान जगन्नाथ की प्रथम आरती करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। यह जानकारी भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा, प्रधान सतीश गुप्ता तथा महासचिव एडवोकेट संजीव सूद बांका ने शहर के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों को रथयात्रा का निमंत्रण भेंट करते हुए दी। इस अवसर पर परम जगन्नाथ सेवक संदीप गुप्ता वैबसन ने कहा कि भगवान जगन्नाथ वर्ष में एक बार अपने भक्तों तथा पतित जीवों का उद्धार करने के लिए स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर विशाल रथ पर सवार होते हैं और सभी को दर्शन देते हैं। उन्होंने कहा कि रथयात्रा का दिन भक्त और भगवान के दिव्य मिलन का पर्व होता है।

इस दिन भगवान के रथ की डोरी भक्तों के हाथों में होती है। कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा ने बताया कि इस वर्ष की रथयात्रा में हजारों की संख्या में वैष्णव भक्तों का महाकुंभ देखने को मिलेगा। देश-विदेश से इस्कॉन के वरिष्ठ संत, महाराज, आचार्य एवं भक्त इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए लुधियाना पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ रथयात्रा की सूचना जन-जन तक पहुंचाने के लिए संध्या फेरी निकाली गई। जिसमें नरोत्तम नंद दास ने हरिनाम संकीर्तन की अविरल धारा प्रवाहित की।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

'झगड़े थोड़े-से, प्यार बेहिसाब'

कभी चाय में शक्कर ज्यादा हो गई, तो कभी
कपड़े सही से नहीं तह किए, कभी नए सूट की
तारीफ नहीं की, तो कभी बाहर खाना खिलाने नहीं
ले गए, सदा ढूँढे हैं एक दूजे से लड़ने का बहाना, वो
ताना, ये उलाहना, फिर भी एक-दूजे से दिल लगाए
रहते हैं।।

कभी बहस टीवी के रिमोट पर, तो कभी सफर में
दिशा पर झगड़ा, कभी एक बोले पहाड़ों पर चलो,
कभी दूजे को समुद्र का किनारा लगे तगड़ा, कभी
रूठना, तो कभी मनाना, कभी गुस्से में भी प्यार
जताना, फिर भी एक दूजे से दिल लगाए रहते हैं।
रात को तकरार, सुबह को चाय संग प्यार, कुछ न
कहकर भी कुछ कह जाते हैं यार, टूट जाते हैं सब
रिश्ते, पर ये रिश्ता न टूटे, क्योंकि लड़ते हैं वो, बस
प्यार में झूठे मूटे, रूठे रूठे भी रहती है, बस अपने
जीवन साथी से ही आस। नोंकझोंक और ताने तो
बरसाए रहते हैं, हर एक पति पत्नी, फिर भी एक दूजे
से दिल लगाए रहते हैं।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव का समापन: शांति, सद्भाव और न्याय विश्व का संविधान बने—परम पूज्य महाराजश्री

शिव धाम आश्रम में गुरु दर्शन, सत्संग और गुरु महाआरती में उमड़े श्रद्धालु, संजय टंडन ने भी लिया आशीर्वाद

पंचकूला/यूटर्न/05 जुलाई। मोरनी रोड स्थित शिव धाम आश्रम में आयोजित दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शनिवार को गुरु दर्शन, सत्संग और गुरु महाआरती के साथ समापन हो गया। महोत्सव के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचे और गुरु पूजन कर आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ लिया।

इस अवसर पर परम पूज्य महाराजश्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व में धर्म का राज स्थापित हो तथा शांति, सद्भाव और न्याय मानव समाज का आधार बनें। उन्होंने कहा कि गुरु और इष्ट की कृपा जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाती है तथा इसी कृपा से एक साधारण व्यक्ति भी असाधारण कार्य करने में सक्षम बन जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना चाहिए। गुरु की कृपा से जीवन में शुभता आती है, दरिद्रता का नाश होता है और आजीविका में बरकत मिलती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरु शक्ति को आत्मसात करने और सच्चे मन से सद्गुरु के आशीर्वाद का अनुभव करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और गुरु महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो दिवसीय महोत्सव का समापन सामूहिक गुरु महाआरती के साथ हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय टंडन भी आश्रम पहुंचे। उन्होंने परम पूज्य महाराजश्री का स्वागत एवं अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मिशन के पदाधिकारी, मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

GST ऑडिट से डरें नहीं, इसे समझें: नोटिस आने पर क्या करें और कैसे रखें अपने बही-खाते दुरुस्त?

लुधियाना, पंजाब/यूटर्न/05 जुलाई। टैक्स मामलों के एक्सपर्ट एडवोकेट करन चावला (B.Com., LL.B.) ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्सर जब छोटे या बड़े कारोबारी 'ऑडिट' (Audit) शब्द सुनते हैं, तो उनके मन में एक अनजाना सा डर बैठ जाता है। उन्हें लगता है कि कोई कमी ढूंढने या जुर्माना लगाने के लिए विभाग उनके पीछे आ रहा है। लेकिन असलियत इससे काफी अलग है। जैसे हम अपने शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए समय-समय पर 'फुल बॉडी चेकअप' कराते हैं, ठीक वैसे ही GST ऑडिट भी आपके व्यापार के बही-खातों की सेहत की जांच है। यह कोई कानूनी औपचारिकता मात्र नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने का जरिया है कि आपका बिजनेस नियमों के दायरे में रहकर सुरक्षित तरीके से आगे बढ़े। आइए आज देश के हर व्यापारी और आम नागरिक के लिए बेहद आसान शब्दों में समझते हैं कि आखिर यह GST ऑडिट क्या है, यह क्यों होता है और इसमें किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

01. आखिर क्या होता है GST ऑडिट?

GST कानून (CGST Act, 2017) की धारा 2(13) के तहत ऑडिट का सीधा मतलब है आपके द्वारा दाखिल किए गए रिटर्न, सेल-परचेज (Turnover) के रिकॉर्ड, चुकाए गए टैक्स, और क्लेम किए गए रिफंड की बारीकी से जांच करना।

इसका मुख्य उद्देश्य यह देखना है कि:

क्या आपने अपनी बिक्री (Turnover) को सही-सही घोषित किया है?

क्या आपने सरकार को सही दर पर टैक्स चुकाया है?

सबसे जरूरी, जो ITC (Input Tax Credit) आपने क्लेम किया है, क्या आप उसके हकदार थे?

आज के समय में जब 56वें GST काउंसिल के फैसलों के बाद टैक्स स्लैब में बड़े बदलाव हुए हैं और 'जीरो मिसमैच पॉलिसी' के तहत ITC के नियमों को बेहद कड़ा कर दिया गया है, ऐसे में ऑडिट का महत्व और भी बढ़ जाता है।

२. ऑडिट कितने प्रकार का होता है?

GST कानून में मुख्य रूप से दो तरह के ऑडिट की व्यवस्था की गई है, जिन्हें हर कारोबारी को जानना चाहिए:

- **सामान्य ऑडिट (Section 65 - टैक्स अधिकारियों द्वारा):** यह ऑडिट खुद GST विभाग के कमिश्नर या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारियों की टीम करती है। यह आपके बिजनेस प्लेस (दुकान/फैक्ट्री) पर या सीधे टैक्स ऑफिस में हो सकता है। इसके लिए विभाग आपको कम से कम 15 वर्किंग डेज पहले नोटिस (Form GST ADT-01) भेजकर सूचित करता है ताकि आप अपनी तैयारी कर सकें।
- **विशेष ऑडिट (Section 66 - स्पेशल ऑडिट):** अगर किसी जांच या स्क्रूटनी के दौरान असिस्टेंट कमिश्नर स्तर के अधिकारी को लगता है कि आपके बिजनेस में टैक्स वैल्यू को कम दिखाया गया है या नियमों से बाहर जाकर गलत ITC क्लेम किया गया है, तो वे स्पेशल ऑडिट का आदेश दे सकते हैं। यह ऑडिट विभाग के अधिकारी नहीं, बल्कि सरकार द्वारा नियुक्त चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) या कॉस्ट अकाउंटेंट (CMA) करते हैं।

३. ऑडिट की समय-सीमा क्या है?

नियमों के मुताबिक, सामान्य ऑडिट को शुरू होने के 3 महीने के भीतर पूरा करना जरूरी होता है। हालांकि, अगर मामला पेचीदा हो, तो कमिश्नर इसे लिखित कारण देकर अधिकतम 6 महीने के लिए और बढ़ा सकते हैं। वहीं, स्पेशल ऑडिट की रिपोर्ट CA/CMA को 90 दिनों के भीतर अधिकारी को सौंपनी होती है।

4. ऑडिट में कितने साल के खातों की जांच हो सकती है? (Period of Audit)

कई व्यापारियों को यह गलतफहमी होती है कि ऑडिट हमेशा सिर्फ पिछले एक साल का ही होता है। लेकिन GST कानून के तहत नियमों का दायरा थोड़ा बड़ा है: एक या उससे अधिक साल: विभाग चाहे तो आपके किसी एक वित्तीय वर्ष (Financial Year) की जांच कर सकता है, साल के किसी एक हिस्से (जैसे 3 या 6 महीने) की जांच कर सकता है, या फिर एक साथ 4 से 5 सालों के खातों को भी ऑडिट के दायरे में ले सकता है। कितना पुराना रिकॉर्ड? वैसे तो GST कानून में पीछे जाकर जांच करने की कोई फिक्स सीमा (जैसे 4 या 5 साल) सीधे नहीं लिखी है। लेकिन, सरकार को आपसे पुराना टैक्स वसूलने के लिए कानूनन एक समय-सीमा दी गई है (धारा 73 और 74 के तहत)। चूंकि पुराने सालों का टैक्स वसूलने का समय एक तय अवधि के बाद समाप्त (Time-Barred) हो जाता है, इसलिए विभाग आमतौर पर केवल उन्हीं सालों का ऑडिट करता है जिनकी टैक्स रिकवरी का समय अभी बचा हुआ है। व्यवहार में, विभाग एक बार में 5 साल का ऑडिट अधिक करता है।

5. क्या ऑडिट होते ही जुर्माना लग जाता है? (भ्रम और सच्चाई)

यह व्यापारियों के बीच सबसे बड़ा भ्रम है। ध्यान रखें, ऑडिट पूरा होने का मतलब सीधे जुर्माना या डिमांड निकलना नहीं है।

- सच्चाई यह है कि अगर ऑडिट के दौरान कोई गड़बड़ी या टैक्स की कमी पाई जाती है, तो अधिकारी सीधे कार्रवाई नहीं करते।
- आपको अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जाता है (Opportunity of Being Heard)। विभाग आपको 'शो कॉज नोटिस' (Show Cause Notice - SCN) जारी करता है। जब तक आप अपना पक्ष नहीं रख देते, तब तक कोई अंतिम टैक्स डिमांड नहीं थोपी जा सकती।

6. कारोबारियों के लिए 'सफलता का मंत्र'

अगर आप चाहते हैं कि आपका GST ऑडिट बिना किसी परेशानी के आसानी से निकल जाए, तो इन बातों को अपनी आदत में शुमार कर लें:

- **बही-खाते दुरुस्त रखें:** अपनी खरीद-बिक्री के बिल, स्टॉक रजिस्टर, ई-वे बिल और रिफंड के दस्तावेज हमेशा व्यवस्थित रखें।
- **पोर्टल से मिलान करें:** नए नियमों के तहत अब आपका ITC क्लेम आपके सप्लायर के रिटर्न से 100% मैच होना चाहिए। इसलिए नियमित रूप से अपने अकाउंट्स का मिलान करते रहें।
- **बदलावों के प्रति सजग रहें:** हाल ही में टैक्स की दरों और ई-इनवॉइसिंग (5 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए जरूरी) में जो बदलाव आए हैं, उन्हें अपने बिलिंग सिस्टम में तुरंत लागू करें।

4. ऑडिट के दौरान अधिकारी एक और बड़े नियम की बारीकी से जांच करते हैं, जिसे

'180 डेज पेमेंट लॉ' (धारा 16(2)) कहा जाता है:

नियम क्या है? अगर आपने किसी सप्लायर (व्यापारी) से माल या सर्विस खरीदी है और उसका Input Tax Credit (ITC) क्लेम कर लिया है, तो आपको बिल जारी होने के 180 दिनों के भीतर उस सप्लायर को पूरा भुगतान (माल की कीमत + टैक्स) करना अनिवार्य है।

5. हर महीने '2B' से मिलान (Strict Reconciliation): अपने एकाउंटेंट से कहें कि वे हर महीने आपके बही-खातों का मिलान GST पोर्टल के GSTR-2B से जरूर करें। कानूनन आपको केवल उतना ही ITC (इनपुट टैक्स क्रेडिट) मिलना चाहिए, जितना आपके सप्लायर ने अपने रिटर्न में दिखाया है। अगर आपके खातों और पोर्टल के डेटा में बड़ा अंतर (MismÔtch) होगा, तो आपका केस तुरंत ऑडिट या स्क्रूटनी के लिए सिलेक्ट हो जाएगा।

6. बिक्री और टर्नओवर में अंतर न रखें (Match GST and Income Tax Return): अक्सर व्यापारी यह गलती करते हैं कि जो टर्नओवर (बिक्री) वे अपने GST रिटर्न (GSTR-1/3B) में दिखाते हैं, वह उनकी इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) में दिखाई गई बिक्री से मेल नहीं खाती। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डेटा शेयरिंग के कारण अब दोनों विभाग एक-दूसरे का डेटा तुरंत पकड़ लेते हैं। इसलिए सुनिश्चित करें कि दोनों जगह एक ही आंकड़ा हो।

7. बिलिंग में सही HSN कोड और टैक्स रेट का इस्तेमाल: आप जो भी सामान या सर्विस बेच रहे हैं, उस पर सरकार द्वारा तय किया गया सही HSN कोड और सही टैक्स की दर (जैसे 5%, 12%, 18% या 28%) ही लगाएं। अगर विभाग को लगता है कि आप गलत वर्गीकरण (Wrong Classification) करके कम टैक्स दे रहे हैं, तो ऑडिट होना तय है।

8. अचानक भारी ITC क्लेम करने से बचें (Avoid Sudden Spikes): अगर आपका बिजनेस हर महीने सामान्य रूप से चल रहा है और अचानक किसी महीने आप बहुत बड़ा ITC क्लेम कर लेते हैं, तो सिस्टम में तुरंत रेड-फ्लैग (संदेह) आ जाता है। यदि कोई बड़ी खरीदारी की भी है, तो उसके सारे पुख्ता दस्तावेज (बिल, पेमेंट प्रूफ, ट्रांसपोर्ट की रसीद/E-way Bill) उसी समय संभाल कर रखें।

9. ई-वे बिल (E-Way Bill) में हेरफेर न करें: माल की डिलीवरी के समय जारी किए गए ई-वे बिल और आपके मुख्य टैक्स इनवॉइस (बिल) का डेटा 100% मैच होना चाहिए। माल के मूवमेंट और गाड़ी के नंबर में कोई भी गड़बड़ी सीधे टैक्स चोरी के शक के दायरे में आती है।

निष्कर्ष: GST ऑडिट से डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। यह आपके बिजनेस को पारदर्शी और कानूनी रूप से मजबूत बनाने की एक प्रक्रिया है। अगर आपके रिकॉर्ड साफ हैं, तो ऑडिट आपके व्यापार के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है।

शिक्षा और कौशल विकास युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं: दीवान

श्री दुर्गा माता मंदिर ट्रस्ट और कंप्यूटर सेंटर द्वारा विद्यार्थियों को डिग्रियां/प्रमाण पत्र वितरित

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। श्री दुर्गा माता मंदिर ट्रस्ट के संरक्षण में कंप्यूटर सेंटर में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को डिग्रियां और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, विशेष अतिथियों, प्रशिक्षकों तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना (शहरी) के पूर्व अध्यक्ष एवं पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, कड़ी मेहनत और समर्पण की भावना के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

वहीं पर, डिग्रियां और प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों, अभिभावकों तथा श्री दुर्गा माता मंदिर ट्रस्ट और कंप्यूटर सेंटर को दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और उपस्थित लोगों का हृदय से धन्यवाद किया गया। ट्रस्ट ने भविष्य में भी युवाओं के बीच शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रयास लगातार जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा सुभाष दुग्गल, अशोक थापर, अनिल बसी, मुनीश गुप्ता, के.के. सेठ, राजेश सोनी, अश्वनी गर्ग, इंद्रजीत कपूर, रोहित शर्मा, संदीप बहल, थापर, मदन लाल बसी और राकेश चड्ढा भी उपस्थित रहे।

फ्यूचर फ्यूल से 25 करोड़ दोपहिया वाहन, 5 करोड़ से अधिक कारों के इंजन पर बना खतरा

अशोक सहगल
लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। भलाई सरकार पेट्रोल में एथेनॉल मिक्स कर पेट्रोल के आयात को कम करना चाहती है लेकिन दूसरी और मिलावटी पेट्रोल वाहन चालकों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। एथेनॉल मिक्स पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं और देशभर में एथेनॉल पर एक बहस छिड़ी हुई है। सवाल उठाए जा रहे हैं।

माइलेज पर असर

क्या एथेनॉल से गाड़ी का माइलेज कम हो रहा है? क्या पेट्रोल में एथेनॉल मिक्स होने से 10 से 25% तक माइलेज कम हो रहा है? क्या गाड़ी मे एथेनॉल युक्त पेट्रोल से इंजन खराब हो रहा है? क्या एथेनॉल मिक्स पेट्रोल से गाड़ी गाड़ी के इंजन पर बुरा असर पड़ रहा है पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का कहना है कि ई20 पेट्रोल से कुछ माइलेज घट सकती है। उन्होंने अपनी तरफ से तर्क देते हुए कहा कहा था कि इट्स नाउ वेल एस्टैब्लिश दैट व्हेन यू हैव एथेनॉल दे यूज इट इन रेसिंग कार्स आल्सो। द एक्सलरेशन इंक्रीजसेस। व्हाट इज दैट थिंग कॉल्ड दी नॉकिंग दैट इंप्रूव्स परंतु माइलेज कम होने का कोई और कारण भी बताते हैं जिम ड्राइविंग स्किल ट्रैफिक सड़कों की स्थिति और वाहन की हालत भी एक कारण बताया।

पेट्रोल में एथेनॉल कर रहा है गाड़ियों को बर्बाद ?

बिना पूछे जबरदस्ती क्यों ?

सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में से एक्सपेरिमेंट खाने के बाद लोगों में बेहद गुस्सा पाया जा रहा है उनका कहना है कि उन लोगों से बिना पूछे उनके वाहनों पर एक्सपेरिमेंट क्यों किया जा रहे हैं और पेट्रोल में 20% तक एथेनॉल डालकर उन पर जबरदस्ती क्यों थोपा जा रहा है अगर सरकार ने ट्रायल ही करना था तो चांद गाड़ियों के अलावा सरकारी वाहनों पर भी इसका प्रयोग कर सकती थी कहा जाता है कि आने वाले समय में ई20 पेट्रोल से आई 25 और उससे आगे भी इसे बढ़ाया जा सकता है सरकार के इस कदम ने पूरी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया है लोगों का कहना है कि क्या सरकार उनके वाहन खराब होने पर उन्हें कोई हार जाना देगी और कैसे ?

क्या कहते हैं लोग

वहां ठीक करने वाले मैकेनिक के अलावा आम लोगों का मानना है कि एथेनॉल वाहनों का गला घोटस रहा है? माइलेज कम कर रहा है। इस पर ऑटो एक्सपर्ट कहते हैं कि ई 20 E30 में आपको थोड़ी बहुत परफॉर्मेंस में कमी नजर आएगी। थोड़ी बहुत उसके अंदर फ्यूल एवरेज कम मिलेगी। यह डेफिनेट है। परंतु इस बात पर भी ध्यान करेंगे जरूरत है कि भारत में अधिकतर लोग गाड़ियां माइलेज देखकर खरीदने है एक उपभोक्ता का कहना है कि गाड़ी को 2 महीने भी नहीं हुए उनका फ्यूल पंप खराब हो गया गाड़ी ब्रेकडाउन हो जाती है। E20 को लेकर लोगों के अनुभव एक जैसे नहीं है। किसी को माइलेज की शिकायत है किसी को इंजन की तो कुछ ऐसे सामान्य बता रहे हैं ।

सरकार दे स्पष्टीकरण

लोगों का कहना है कि सरकार को तुरंत इस पर अपना स्पष्टीकरण देना चाहिए और यह बताना चाहिए कि पेट्रोल में एथेनॉल मिक्स करने के बाद वाहनों पर क्या असर पड़ा है जिन लोगों के पास 5 वर्ष से पुराने वाहन है उन पर इसका क्या असर होगा कहीं सरकार ईवी वाहनों को बढ़ावा देने के लिए पेट्रोल के वाहनों के प्रति लोगों की दिलचस्पी कम करने के लिए ऐसे कदम उठा रही है।

सरकार अपने वायदे से मुकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने एक बयान में कहा था कि पेट्रोल में एथेनॉल के इस्तेमाल के बाद पेट्रोल की कीमतों में बेहद कमी आएगी और यह लोगों को 15 तक भी उपलब्ध हो सकता है परंतु बाद में वह अपने कहे से पीछे हट गए सरकार के लिए इथेनॉल फायदे का सौदा हो सकता है। इसीलिए स्टेप बाय स्टेप इस प्लान पर आगे बढ़ रही है। इथेनॉल 20% तक पेट्रोल में जाने से पेट्रोलियम मिनिस्ट्री का फायदा 60 करोड़ का हुआ ऐसा बताया जाता है बड़ी कारों में तो आ ही रही है। यह एथेनॉल हमारे देश के हिसाब से नहीं है। इसको तुरंत रोकना चाहिए। नहीं तो गाड़ियों का बहुत नुकसान होगा। एथेनॉल एक बायोफ्यूल है जो गन्ना, मक्का और चावल से बनता है। यह एक तरह का अल्कोहल है जो ज्वलनशील होता है। इसलिए इसे फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। E10, E20, के अलावा देश में कुछ पेट्रोल पंपों पर E85 भी एक्सपेरिमेंट के तौर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। 3 :32 ए85 का मतलब है पेट्रोल कम और एथेनॉल ज्यादा यानी पेट्रोल में 85% एथेनॉल । देश के 48 पेटोल पंप ऐसे हैं जहां पर ए85 पेट्रोल भी उपलब्ध है। वहां ज्यादा एथेनॉल ब्लेंड वाला फ्यूल इस्तेमाल होता है। रेसिंग कार का इंजन उसी हिसाब से डिजाइन होता है। लेकिन हमारे गाड़ियों को जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया जा सकता है। रेसिंग कार और हमारे देश की सड़कों पर चलने वाली गाड़ियों में जमीन आसमान का अंतर है। यह बात एक्सपट्र्स भी कह रहे हैं। मध्यमवर्गीय जो स्कूटर, बाइक्स और छोटी कारें इस्तेमाल कर रहे हैं उनको प्रॉब्लम आनी शुरू हो गई।

दाम काम नहीं हुए पेट्रोल के

पेट्रोल में 20% एथेनॉल के इस्तेमाल पर सरकार ने कहा था कि इससे ईंधन के दाम कम होंगे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सरकार मिशन एथेनॉल को कैसे आगे बढ़ा रही है, इसकी टाइमलाइन देखना भी आपके लिए जरूरी है। साल 2001 में भारत सरकार ने एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुछ पेट्रोल पंपों पर 5% एथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल लोगों के बीच में शुरू किया और धीरे-धीरे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाई गई अब कार गेराज वालों को भी एक तगड़ा बहाना मिल गया है कि कार बेचने के बाद वारंटी में खराब हुए वाहनों के पुर्जों का कारण इथेनॉल मिक्स पेट्रोल को बता रहे हैं।

इमारत हादसे के बाद प्रशासन सख्त: चंडीगढ़ में जर्जर भवनों का होगा सर्वे, असुरक्षित इमारतों पर कार्रवाई तय

इंडस्ट्रियल एरिया हादसे के बाद डीसी के निर्देश, एस्टेट ऑफिस की टीम करेगी शहरभर में निरीक्षण; लोगों से भी मांगी सूचना

अजीत झा
चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में निमार्णाधीन इमारत का हिस्सा गिरने की घटना के बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने शहर की जर्जर और असुरक्षित इमारतों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। प्रशासन का कहना है कि अब पूरे शहर में ऐसे भवनों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की पुनरावृत्ति न हो।

प्रशासन के अनुसार एस्टेट कार्यालय की बिल्डिंग शाखा जल्द ही आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों का व्यापक सर्वे शुरू करेगी। इस दौरान संरचनात्मक

रूप से कमजोर और खतरनाक भवनों को चिन्हित किया जाएगा। जांच के आधार पर भवन मालिकों को नोटिस जारी किए जाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन ने बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में जिस इमारत का हिस्सा शनिवार को ढहा, वहां मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य चल रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन, दमकल विभाग और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं, जबकि एनडीआरएफ ने राहत एवं बचाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली। उपायुक्त निशांत यादव ने कहा कि इस घटना ने पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने शहरभर में ऐसे भवनों की पहचान के लिए समयबद्ध अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी असुरक्षित भवन को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और नियमों के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रशासन ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में कोई भवन जर्जर, क्षतिग्रस्त या लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनता दिखाई दे तो उसकी जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाकर किसी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।

13 जुलाई को चंडीगढ़ ट्राइसिटी के कैब चालक अपनी कैबों के साथ सड़कों पर उतरेंगे

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ ट्राइसिटी कैब ड्राइवर्स यूनियन के अध्यक्ष अमनदीप सिंह ने बताया कि सेक्टर-25 रैली ग्राउंड, चंडीगढ़ में पिछले 35 दिनों से लगातार शांतिपूर्ण धरना जारी है। बार-बार मांग उठाने, ज्ञापन भेजने और बैठक की मांग करने के बावजूद अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। इसी के चलते 13 जुलाई को हजारों कैब एवं ऑटो चालक अपनी-अपनी कैबों के साथ सेक्टर-25 रैली ग्राउंड से चंडीगढ़ प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया जी के लोक भवन तथा पंजाब के मुख्यमंत्री आवास की ओर शांतिपूर्ण मार्च करेंगे और अपनी लंबित मांगों के समाधान की मांग करेंगे। चंडीगढ़ ट्राइसिटी कैब ड्राइवर्स यूनियन सभी कैब एवं ऑटो चालकों से अपील करती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपनी-अपनी गाड़ियों के साथ इस आंदोलन में शामिल होकर एकता का परिचय दें, ताकि हजारों ड्राइवर परिवारों की आवाज प्रशासन और पंजाब सरकार तक मजबूती से पहुंच सके। यूनियन का कहना है कि यह आंदोलन किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि कैब एवं ऑटो चालकों के अधिकार, सम्मान और आजीविका की रक्षा के लिए है। चंडीगढ़ प्रशासन एवं पंजाब सरकार से पुनः आग्रह है कि ड्राइवरों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान कर आंदोलन समाप्त कराने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएं।

'मुझे चाकू मार दिया' आखिरी कॉल के कुछ मिनट बाद युवक की मौत, फौजी ग्राउंड में मर्डर से सनसनी

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। कलाग्राम लाइट प्वाइंट के साथ लगते फौजी ग्राउंड में 26 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मरने से कुछ मिनट पहले घायल युवक ने अपने साले को फोन कर सिर्फ इतना कहा कि ह्लमुझे चाकू मार दिया हैह्व। इसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत

घोषित कर दिया। मृतक की पहचान रायपुर कलां निवासी आशीष के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रात करीब 8:50 बजे आशीष ने अपने 16 वर्षीय साले अरुण को फोन कर बताया कि वह कलाग्राम लाइट प्वाइंट के पास फौजी ग्राउंड में है और किसी ने उसे चाकू मार दिया है। हालांकि उसने हमलावरों के नाम नहीं बताए। फोन मिलते ही अरुण मौके पर पहुंचा। उसने अपने भाई सोनू और दोस्तों की मदद से गंभीर रूप से घायल आशीष को ऑटो में बैठाकर मनीमाजरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। परंतु अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौली जागरण थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जस्करण सिंह पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे।

मनीमाजरा में गंदे पानी और कम प्रेशर से लोग परेशान, 24×7 स्मार्ट सिटी जल परियोजना पर उठे सवाल

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच मनीमाजरा की इंदिरा कॉलोनी समेत कई इलाकों में गंदे पानी और कम प्रेशर की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंट्स वेलफेयर

एसोसिएशन ने शनिवार को क्षेत्र का दौरा कर जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया और आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद 247 स्मार्ट सिटी जल परियोजना अपने उद्देश्य पूरे करने में विफल रही है।

एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय और चेयरमैन सुभाष धीमान ने क्षेत्रवासियों के साथ इंदिरा कॉलोनी का निरीक्षण किया। उनका दावा है कि कई घरों में नलों से गंदा और उपयोग के योग्य नहीं पानी आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह पानी न पीने, न भोजन बनाने और न ही घरेलू उपयोग के लिए सुरक्षित है।

जीरकपुर में 2400 नशीली गोलियों के साथ हिमाचल का तस्कर गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू

सिंहपुरा रोड पर गश्त के दौरान पुलिस ने दबोचा, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/05 जुलाई। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीरकपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिमाचल प्रदेश के एक व्यक्ति को 2400 नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को अंतरराज्यीय सप्लाई नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान संजय कुमार (39) पुत्र किशोरी लाल निवासी गांव चोआ पचराला, जिला हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के रूप में हुई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार एएसआई हरविंदर सिंह अपनी टीम के साथ सिंहपुरा रोड पर नियमित

2400 नशीली गोलियों के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि इस खेप का स्रोत क्या है और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। — जांच अधिकारी

गश्त कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 1.20 बजे सेना के रंग की टी-शर्ट और लोअर पहने एक व्यक्ति पीठ पर बैग लेकर आता दिखाई दिया।

डेराबस्सी में संगठन मजबूत करेगा अकाली दल वारिस पंजाब दे

लालड़ू/यूटर्न/05 जुलाई। अकाली दल वारिस पंजाब दे की अहम बैठक शनिवार को गुरुद्वारा श्री संगत साहिब, मॉडल कॉलोनी लालड़ू में वरिष्ठ नेता कुलदीप सिंह सरसीनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनाधार बढ़ाने को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक के दौरान लालड़ू में पार्टी का मुख्य कार्यालय खोलने के प्रस्ताव पर विशेष चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि कार्यालय बनने से पार्टी गतिविधियों को गति मिलेगी और कार्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

> *लालड़ू में कार्यालय खुलने से संगठनात्मक कामकाज को मजबूती मिलेगी और कार्यकर्ताओं को एक साझा मंच मिलेगा।*
> *— कुलदीप सिंह सरसीनी, वरिष्ठ नेता*

बैठक में डेराबस्सी, जीरकपुर, लालड़ू और हंडेसरा जोन के पार्टी सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने अपने सुझाव रखते हुए पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव और शहर के हर वार्ड तक पहुंचाने का संकल्प लिया। नेताओं ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। आने वाले दिनों में जनसंपर्क अभियान तेज कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

पीरमुछल्ला में दिनदहाड़े दो सोसायटियों में चोरी, एसी कंप्रेसर व कॉपर पाइप ले गए चोर

जीरकपुर/यूटर्न/05 जुलाई। पीरमुछल्ला क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में चोरों ने दिनदहाड़े दो अलग-अलग रिहायशी सोसायटियों को निशाना बनाकर एसी के

कंप्रेसर, आउटडोर यूनिट, कॉपर पाइप और अन्य सामान चोरी कर लिया। वारदात सोसायटियों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। एलआईसी होम्स के प्रधान राजकुमार शर्मा, बालाजी टावर के प्रधान विशेष शर्मा और उप प्रधान विकास गोयल ने बताया कि चोर अब दिन के समय भी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उनके अनुसार दोनों सोसायटियों के दो से तीन फ्लैटों को निशाना बनाया गया, जहां से चोर एसी के कंप्रेसर और आउटडोर यूनिट खोलकर ले गए। कई जगहों से कॉपर पाइप और कॉपर की तारें भी काटकर चोरी की गईं। सोसायटी प्रबंधन का कहना है कि चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है।

पुतला जलाने की कोशिश पर पार्षद करमजीत चौहान का पलटवार, बोले– मुझे बदनाम करने की साजिश

जीरकपुर/यूटर्न/05 जुलाई। वार्ड नंबर 5 से आम आदमी पार्टी के पार्षद करमजीत चौहान ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग लगातार उनकी छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रविवार को उनके चुनाव कार्यालय के बाहर पुतला जलाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन इसका लोगों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। करमजीत चौहान ने कहा कि वार्ड नंबर 5 की जनता ने उन्हें करीब 400 वोटों के अंतर से विजयी बनाया था और विरोध करने वालों की संख्या बेहद कम रही। उनके अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करने की कोशिश का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने नगर परिषद के प्रधान, सीनियर उपप्रधान और उपप्रधान के चुनाव को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की हुई है, जिस पर सोमवार और मंगलवार को सुनवाई निर्धारित है। उनका आरोप है कि इसी कारण कुछ लोग उनके खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पार्षद ने कहा कि वह वार्ड की जनता की सेवा पहले की तरह निरंतर करते रहेंगे और इस तरह की राजनीतिक गतिविधियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि ₹सच सामने आने में समय लग सकता है, लेकिन अंततः सच सामने आकर ही रहेगा। करमजीत चौहान ने यह भी कहा कि उनका पुतला जलाने का प्रयास करने वाले स्वयं हास्य का पात्र बन रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि विरोध की योजना सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि उन्होंने राजनीति का इतना गिरा हुआ स्तर पहले कभी नहीं देखा और उन्हें विश्वास है कि वार्ड नंबर 5 की जनता भविष्य में ऐसे प्रयासों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

CM सैनी के दो बार रद्द सोशल कार्यक्रम, बरकरार ब्रेकफास्ट मीटिंग में कौन अंदर, कौन बाहर ?

फाइल फोटो

लुधियाना/यूटर्न/05 जुलाई। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीति में जुटी है, लेकिन लुधियाना में लगातार दो घटनाओं ने पार्टी के भीतर चल रहे समीकरणों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दो प्रस्तावित कार्यक्रम रद्द होने और दूसरी ओर चुनिंदा कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

पहला मामला : सोशल कार्यक्रम रद्द, लेकिन शहर पहुंचे मुख्यमंत्री...28 जून को भाजपा उत्तर विधानसभा से सक्रिय नेता एवं जिला अध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदार *महेश दत्त शर्मा* द्वारा टूटियां वाला मंदिर, शिवपुरी में नौजवान ब्राह्मण सभा का सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम से एक दिन पहले सूचना दी गई कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का दिल्ली दौरा तय हो गया है, इसलिए उनका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। लेकिन अगले दिन राजनीतिक तस्वीर बदल गई। मुख्यमंत्री नायब सैनी लुधियाना पहुंचे और सतलुज क्लब में भाजपा नेता सुखविंदर बिंद्रा द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट मीटिंग में शामिल हुए। इससे कार्यकर्ताओं के बीच सवाल उठने लगे कि यदि मुख्यमंत्री शहर आ सकते थे तो सामाजिक कार्यक्रम क्यों रद्द किया गया?

ब्रेकफास्ट मीटिंग भी बनी चर्चा का केंद्र...राजनीतिक हलकों में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रही कि ब्रेकफास्ट मीटिंग में भाजपा के कई वरिष्ठ स्थानीय पदाधिकारियों और पुराने नेताओं को कथित तौर पर प्रवेश तक नहीं मिला। इससे संगठन के भीतर यह संदेश गया कि कार्यक्रम सीमित लोगों तक रखा गया। अब पार्टी के अंदर ही सवाल उठ रहे हैं—'ब्रेकफास्ट मीटिंग में कौन अंदर था और कौन बाहर?' यही चर्चा कार्यकर्ताओं के बीच लगातार सुनाई दे रही है।

दूसरी बार भी रद्द हुआ कार्यक्रम...इसके बाद 5 जुलाई को शहीद भगत सिंह यूथ क्लब के प्रधान रवि बत्रा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री नायब सैनी को मुख्य अतिथि बनना था। तैयारियां पूरी थीं, लेकिन अंतिम समय पर यह कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया।

49 कॉल, डिलीट चैट और तीन मिनट की बातचीत ने खोला मोनू हत्याकांड का राज, पत्नी समेत दो गिरफ्तार

पहले हादसा माना गया मामला तकनीकी साक्ष्यों से हत्या में बदला

अजीत झा

रेवाड़ी/यूटर्न/05 जुलाई। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में 21 वर्षीय मोनू की मौत का मामला मोबाइल फोन से रिकवर हुई डिलीट चैट, कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हत्या में बदल गया। पुलिस का दावा है कि मृतक की पत्नी तन्नू ने अपने कथित प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। मामले में पत्नी तन्नू और आरोपी के एक साथी हरिओम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी सोनू और उसका साथी अमन अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, गांव जड़थल निवासी मोनू 8 जून की रात दवा लेने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। दो दिन बाद उसका शव आसलवास नहर से बरामद हुआ। शुरूआती जांच में शरीर पर कोई गंभीर चोट नहीं मिलने के कारण मामला हादसा या नहर में डूबने का माना गया।

मोबाइल फोन बना सबसे बड़ा सबूत...मामले ने उस समय नया मोड़ लिया, जब पुलिस द्वारा परिजनों को सौंपे गए मोबाइल फोन का पूरा डेटा डिलीट मिला। परिवार को संदेह हुआ तो साइबर विशेषज्ञों की मदद से मोबाइल का डेटा रिकवर कराया गया। जांच में घटना वाले दिन मोनू द्वारा पत्नी तन्नू को 49 बार कॉल किए जाने का रिकॉर्ड सामने आया। हालांकि दोनों के बीच केवल एक कॉल करीब तीन मिनट तक हुई थी। इसके अलावा डिलीट की गई चैट भी बरामद हुई, जिससे हत्या की आशंका और मजबूत हो गई। परिजनों ने अंतिम संस्कार और अन्य रस्में पूरी होने तक अपने संदेह को सार्वजनिक नहीं किया। इसके बाद उन्होंने मोबाइल से मिले तकनीकी साक्ष्य पुलिस को सौंपकर हत्या का मामला दर्ज करने और दोबारा जांच की मांग की।

प्रेम संबंध बना हत्या की वजह...डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण के अनुसार, जांच में सामने आया कि तन्नू का सोनू नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने मिलकर मोनू को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इस साजिश में सोनू ने अपने दोस्त हरिओम और अमन को भी शामिल किया। पुलिस के मुताबिक, योजना के तहत तन्नू ने फोन कर मोनू को अपने मायके गांव कसोली बुलाया। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने कथित तौर पर उसका मुंह और नाक दबाकर बेहोश कर दिया और बाद में उसे आसलवास नहर में फेंक दिया, ताकि मामला दुर्घटना जैसा लगे।

पत्नी ने निभाई अंतिम संस्कार की रस्में...जांच में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि मोनू का शव मिलने की सूचना के बाद तन्नू अपने मायके वालों के साथ ससुराल पहुंची और अंतिम संस्कार से लेकर सभी धार्मिक एवं सामाजिक रस्मों में शामिल रही। उसने शोकग्रस्त पत्नी की तरह व्यवहार किया, जिससे किसी को उस पर शक नहीं हुआ।

मनीमाजरा सेक्टर-13 की जर्जर सड़कों का मरम्मत कार्य शुरू, पीडब्लूडी की टीम मौके पर पहुंची

24 जून को प्रमुखता से उठाया गया था मुद्दा, प्रशासन ने लिया त्वरित संज्ञान; वर्षों से बदहाल सड़कों से मिलेगी राहत

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। मनीमाजरा सेक्टर-13 स्थित हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (डुप्लेक्स एरिया) की जर्जर सड़कों को लेकर प्रकाशित खबर का असर दिखाई देने लगा है। लंबे समय से बदहाल पड़ी मुख्य और आंतरिक सड़कों के मुद्दे को मीडिया में प्रमुखता से उठाए जाने के बाद चंडीगढ़ प्रशासन हरकत में आया। शनिवार को लोक निर्माण विभाग के बी एंड आर रोड विंग की टीम एसडीओ बलराज छिकारा के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और सड़क मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया।

गौरतलब है कि 24 जून 2026 को क्षेत्र की जर्जर सड़कों और उससे स्थानीय लोगों को हो रही परेशानियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। सड़कें जगह-जगह से टूटी हुई थीं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी से जल्द स्थायी समाधान की मांग की थी।

सड़क निर्माण कार्य शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत

पॉश इलाके की बदहाल सड़कें बनीं मुसीबत, मनीमाजरा सेक्टर-13 के लोग बोले- हादसे से पहले जागे प्रशासन

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/24 जून। शहर के पॉश इलाकों में शुमार मनीमाजरा सेक्टर-13 हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (डुप्लेक्स एरिया) की टूटी सड़कें स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई हैं। मुख्य सड़कों से लेकर अंदरूनी गलियों तक जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी सड़कें लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही को प्रभावित कर रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक रहते हैं, जिन्हें खराब सड़कों पर चलने में सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा हादसों का खतरा बढ़ गया है। मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की निवासी स्मिता बंसल ने कहा कि पॉश क्षेत्र होने के बावजूद सड़कें बदहाल हैं, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं आरडब्ल्यूए सचिव सरदार शाम सिंह ने बताया कि अंडरपास चौक के आसपास सड़कें बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि डुप्लेक्स एरिया की सड़कें भी सुधारी जाएंगी, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निवासी अभिजीत सैनी के अनुसार,

जताई। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रधान कर्नल गुरसेवक सिंह, सचिव सरदार शाम सिंह, समाजसेवी स्मिता बंसल, स्थानीय निवासी अभिजीत सैनी तथा मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि क्षेत्र की समस्या को लगातार प्रशासन के समक्ष उठाया गया, जिसके बाद अब काम शुरू हुआ है।

राजबीर सिंह भारतीय और आरडब्ल्यूए सचिव शाम सिंह ने कहा कि सेक्टर-13 चंडीगढ़ का महत्वपूर्ण आवासीय क्षेत्र है और यहां के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलना उनका अधिकार है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मरम्मत कार्य तय समय में पूरा कर लिया जाएगा, जिससे लोगों को स्थायी राहत मिलेगी।

सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्रवासियों ने पीडब्ल्यूडी के एसडीओ बलराज छिकारा, उनकी टीम, नगर निगम के अधिकारियों और चंडीगढ़ प्रशासन का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में सकारात्मक शुरूआत हुई है।

रामलीला ग्राउंड के पास दुकान पर कब्जे की कोशिश, दो नामजद सहित 30 पर केस दर्ज

कब्जे की नीयत से वक्फ बोर्ड की दुकान के ताले तोड़े, किरायेदारों से मारपीट

डेराबस्सी/यूटर्न/05 जुलाई। रामलीला ग्राउंड के पास वक्फ बोर्ड की एक दुकान पर कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि रात के समय कुछ लोगों ने दुकान के ताले तोड़कर अंदर तोड़फोड़ की और वहां खड़ी कारों को ट्रैक्टर की मदद से बाहर निकाल दिया। विरोध करने पर ऊपरी मंजिल पर रह रहे किरायेदार मजदूरों से भी मारपीट की गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो नामजद और 25 से 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआइ मलकीत सिंह के अनुसार मोहल्ला मीरा मल्ली शाह, रामलीला ग्राउंड के पास रहने वाले कुंवर शर्मा पुत्र ईश्वर दास शर्मा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि रामलीला ग्राउंड के नजदीक उनके पास वक्फ बोर्ड की एक दुकान है। वह इस दुकान का उपयोग अपनी कारें खड़ी करने के लिए करते हैं, जबकि दुकान की ऊपरी मंजिल पर कुछ मजदूर किराये पर रहते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार दो और तीन जुलाई की मध्यरात्रि को कुछ लोग दुकान पर कब्जा करने की नीयत से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने दुकान के शटर के ताले तोड़ दिए और अंदर खड़ी कारों को ट्रैक्टर से खींचकर बाहर निकाल दिया। इस दौरान ऊपरी मंजिल पर रह रहे मजदूरों के साथ भी मारपीट की गई। कुंवर शर्मा ने बताया कि शोर सुनकर जब वह मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकियां देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने हरप्रीत सिंह उर्फ शिपू पुत्र जगीर सिंह निवासी गांव अमलाला, थाना डेराबस्सी, सुखी बैनीपाल और 25-30 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

ऑपरेशन सेल की बड़ी कार्रवाई, देसी कट्टे के साथ आरोपी गिरफ्तार

रामदरबार के जंगल क्षेत्र से दबोचा गया आरोपी, आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस की ऑपरेशन सेल ने अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन सेल की टीम ने 4 जुलाई को रामदरबार फेज-2 स्थित बीएसएफ मुख्यालय के निकट जंगल क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना के आधार पर कार्रवाई की। इस दौरान मलोया स्थित ईडब्ल्यूएस कॉलोनी निवासी मोहम्मद इरफान उर्फ राजू खान (38) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद हुआ। इसके बाद थाना सेक्टर-31 में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 54 और 59 के तहत एफआईआर नंबर 105 दर्ज की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को ऑपरेशन सेल के लॉकअप में रखा गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि बरामद हथियार उसने कहां से प्राप्त किया था और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी का किसी आपराधिक गिरोह या अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क से कोई संबंध तो नहीं है। चंडीगढ़ पुलिस ने कहा कि शहर में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी की जाती रहेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत लालड़ू से श्रद्धालुओं की 71वीं, 72वीं और 73वीं बस रवाना

लालड़ू/यूटर्न/05 जुलाई। पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आज हलका विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा के दिशा-निर्देशों अनुसार ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रदीप सचदेवा ने गांव अंबछप्पा, जंडली, खेड़ी जट्टां और जिओली से श्रद्धालुओं की 71वीं, 72वीं और 73वीं बस को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रदीप सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना पंजाब सरकार की जनकल्याणकारी पहल है, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को निःशुल्क एवं सुविधाजनक तरीके से प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हलका विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा के नेतृत्व में क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर गांवों के सरपंच, पंचायत सदस्य, पार्टी पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

'एक सदस्य-एक पौधा' अभियान से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, सार्वजनिक संस्थानों में होंगे पौधारोपण

डेराबस्सी/यूटर्न/05 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से लायंस क्लब डेराबस्सी ने शनिवार को स्थानीय गौशाला परिसर से 'एक सदस्य-एक पौधा' अभियान की शुरूआत की। क्लब ने घोषणा की कि आने वाले दिनों में शहर के विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों में भी बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करने का भी संकल्प दिलाया गया। अभियान का शुभारंभ डेराबस्सी इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय मित्तल ने पौधा लगाकर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत है और सामाजिक संस्थाओं की ऐसी पहल समाज के लिए प्रेरणादायी है। क्लब के अध्यक्ष के.पी. शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे 'एक लायन-एक पौधा' अभियान के तहत प्रत्येक सदस्य कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प ले रहा है।

सफेद ड्रेस में कृति सेनन का ग्लैमरस अंदाज

कृति सेनन का सफेद फ्लोई गाउन लुक सोशल मीडिया पर छा गया है। डीप नेकलाइन और हाई-स्लिट डिजाइन ने उनके अंदाज को बोल्ड टच दिया। बीच लोकेशन पर हवा के साथ उड़ती ड्रेस ने फोटोशूट को और आकर्षक बनाया। मिनिमल मेकअप और खुले बालों में कृति बेहद क्लासी नजर आई। फैंस उनके इस लुक को 'ग्रेस और ग्लैमर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन' बता रहे हैं। फैशन लवर्स के बीच कृति सेनन का यह व्हाइट लुक चर्चा में है।

सड़क पर गिरा महिला का पर्स लौटाकर पुलिसकर्मियों ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

जीरकपुर/यूटर्न/05 जुलाई। सिंहपुरा चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एएसआई अमरजीत सिंह और एएसआई प्रेम सिंह ने सड़क पर गिरा महिला का पर्स लौटाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की है। पर्स में मोबाइल फोन, नकदी और जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। एएसआई अमरजीत सिंह ने बताया कि वह रोजाना की तरह अंबाला-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग स्थित सिंहपुरा चौक पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सड़क पर एक पर्स पड़ा मिला। पर्स खोलकर देखने पर उसमें मोबाइल फोन, नकदी और कुछ दस्तावेज मिले। इसके बाद उन्होंने पर्स को सुरक्षित अपने पास रख लिया और उसके असली मालिक का इंतजार करने लगे। कुछ समय बाद एक महिला और युवक पर्स की तलाश करते हुए उनके पास पहुंचे।

इंडस अस्पताल फिर विवादों में: बुजुर्ग महिला की मौत पर परिजनों का हंगामा, इलाज में लापरवाही के आरोप

परिजनों का दावा- पूरे दिन वरिष्ठ डॉक्टर नहीं पहुंचे, कंपाउंडर करते रहे इलाज; अस्पताल बोला- जोखिम बताकर सहमति के बाद शुरू किया था उपचार

डेराबस्सी/यूटर्न/05 जुलाई। डेराबस्सी स्थित इंडस अस्पताल एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। जीरकपुर निवासी करीब 80 वर्षीय बृजबाला मल्होत्रा की उपचार के दौरान मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में समय पर कोई वरिष्ठ डॉक्टर उपलब्ध नहीं था और पूरे दिन मरीज का इलाज कंपाउंडर व जूनियर स्टाफ के भरोसे चलता रहा, जिसके कारण उनकी मां की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही डेराबस्सी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। परिजनों ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार लोगों के

खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतका के परिजनों का कहना है कि सुबह से शाम तक कई बार वरिष्ठ डॉक्टर को बुलाने की मांग की गई, लेकिन कोई अनुभवी चिकित्सक मरीज को देखने नहीं पहुंचा। उनका आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई, जिससे बुजुर्ग महिला की हालत लगातार बिगड़ती गई और आखिरकार उनकी मौत हो गई। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि मरीज की स्थिति और उपचार से जुड़े सभी जोखिमों की जानकारी पहले ही परिजनों को दे दी गई थी। उनकी लिखित सहमति (कंसेंट) लेने के बाद ही इलाज शुरू किया गया और चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के अनुसार हरसंभव प्रयास किए गए। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जाएगी और यदि मेडिकल लापरवाही के आरोप सामने आते हैं तो विशेषज्ञों की राय लेकर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुबह से शाम तक कोई वरिष्ठ डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आया। पूरा इलाज जूनियर स्टाफ और कंपाउंडर के भरोसे चलता रहा। हमारी मां की मौत अस्पताल की लापरवाही से हुई है। **— मृतका के परिजन**

मरीज की गंभीर स्थिति और इलाज से जुड़े सभी जोखिम पहले ही परिजनों को बता दिए गए थे। उनकी लिखित सहमति के बाद उपचार शुरू किया गया और चिकित्सकीय मानकों के अनुसार पूरा प्रयास किया गया।

— अस्पताल प्रबंधन

दिल्ली में शादी के 72 दिन बाद महिला की गिरकर मौत; परिवार ने हत्या का आरोप लगाया

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके में शनिवार शाम एक बिल्डिंग से कथित तौर पर गिरने के बाद 28 साल की एक नवविवाहिता की मौत हो गई। उसके परिवार का आरोप है कि उसके पति और ससुराल वालों ने उसकी हत्या की है। मृतक महिला का नाम आकृति सुतार था और वह पुष्प विहार की रहने वाली थी। पुलिस के मुताबिक, 4 जुलाई को लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन के इलाके में पालिका कुंज के NDMC फ्लैट्स से गिरने के बाद आकृति घायल हालत में मिली थी। उसे एम्स (AIIMS) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आकृति की शादी 24 अप्रैल, 2026 को हुई थी, यानी मौत से तीन महीने से भी कम समय पहले। वह छतरपुर में सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थी और घटना वाले दिन भी काम पर गई थी। परिवार के मुताबिक, शनिवार शाम उनकी आकृति से बात हुई थी, जब उसने बताया था कि वह ऑफिस से निकल चुकी है। हालांकि, कुछ ही देर बाद उसका फोन नहीं लग रहा था। जब उन्होंने उसे ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन से पता चला कि छत से गिरने के बाद उसकी मौत हो गई है। परिवार ने आरोप लगाया है कि आकृति की हत्या की गई है और उन्होंने उसके पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आकृति आत्महत्या नहीं कर सकती थी, क्योंकि वह एक मजबूत महिला थी। परिवार ने बताया कि आकृति ने लेबर डिपार्टमेंट में सेक्शन ऑफिसर के बेटे से शादी की थी, जो पुष्प विहार के सरकारी फ्लैट्स में रहते हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि इठरल की धारा 196 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है और जांच-पड़ताल (इनक्वेस्ट) की प्रक्रिया के लिए सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (SDM) को सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि वे घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और मामले की छानबीन जारी है।

जगरांव में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

SIR को लेकर रणनीति पर मंथन, बूथै स्तर तक कसी कमर

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/5/जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के जिला जगरांव कार्यालय में आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु 'SIR' (Special Information Report) से जुड़े विषयों पर चर्चा करना और आगामी संगठनात्मक रणनीति तैयार करना था।

वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन: बैठक में विशेष रूप से पंजाब के पूर्व संसदीय सचिव और लोकसभा लुधियाना के प्रभारी के.डी. भंडारी उपस्थित रहे। उन्होंने पार्टी के 'बूथ अध्यक्षों' और 'इछड-2' (बूथ लेवल ऑफिसर्स) को संबोधित करते हुए रक्फ़के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। श्री भंडारी ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित

करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

जिला अध्यक्ष ने की अगुवाई... जिला अध्यक्ष (जगराओं देहाती) डॉ. राजिंदर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्थानीय नेतृत्व ने सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉ. शर्मा ने कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पार्टी के हर कार्यक्रम और सूचना को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शर्मा ने सभी उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख हस्तियों की रही उपस्थिति: इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का जमावड़ा रहा। इनमें प्रमुख रूप से: सुमित अरोड़ा, प्रदीप जंड, कर्नल इंद्रपाल सिंह धालीवाल, जगजीवन सिंह रकबा, विवेक भारद्वाज, किशन इंदौरा, अजीत सिंह अखाड़ा, नवनीत शिशु, गुरदयाल सिंह गिल, गुरभेज सिंह, गुरचरन सिंह, केवल हठूर, अनिल शंटी, गौरव गुप्ता, निर्मल भुल्लर, राकेश हैप्पी, महिंदर वर्मा, भजन सिंह काउंके, मनदीप सिंह काउंके, गुरप्रीत सोनी, कुलवंत भारती, अजीतपाल सिंह मुल्लांपुर, जरनैल सिंह, रवि अरोड़ा, विक्की, कपिल प्रजापति, प्रदीप खन्ना, आत्मा सिंह, अमनप्रीत लाडी हठूर और सुखविंदर सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह बैठक आगामी समय में क्षेत्र में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने और संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अवैध शराब पर पुलिस का शिकंजा, दो अलग-अलग कार्रवाई में 214 बोतल/निप शराब बरामद

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जुलाई। चंडीगढ़ पुलिस ने शहर में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 214 बोतल और निप अवैध शराब बरामद की है। दोनों मामलों में आबकारी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पहली कार्रवाई थाना सेक्टर-26 पुलिस ने 4 जुलाई की रात करीब 11:40 बजे की। पुलिस टीम सेक्टर-27 स्थित कूड़ा संग्रहण केंद्र के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर सेक्टर-44सी निवासी जशनप्रीत को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 34 बोतल शराब बरामद हुई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-26 में आबकारी अधिनियम की धारा 61-1-14 के तहत एफआईआर नंबर-85 दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372